प्रेस विज्ञप्ति

12 सितंबर, 2016

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला, मीडिया प्रभारी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने निम्नलिखित बयान जारी किया :–

भाजपा और शाह के अच्छे दिन लदे – सुरजेवाला

जींद में खिलाड़ियों और जेबीटी शिक्षकों के प्रति रवैये को बताया सामंतवादी; माफी की मांग

भारतीय जनता पार्टी द्वारा रविवार को जींद में आयोजित गौरव रैली में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हैंडबॉल खिलाड़ियों का इस्तेमाल रैली में आए लोगों को पानी पिलाने और जूठे गिलास उठवाए जाने की घटना से देश के करोड़ों युवा स्तब्ध रह गए। यह भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, अमित शाह और रैली के आयोजकों की सामंतवादी सोच का परिणाम है, जिसकी जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। देश के उभरते हुए हैंडबॉल खिलाड़ियों को खेल का अभ्यास कराने की बजाए सत्तारुढ़ दल की रैली में उन्हें दिन भर पानी पिलाने का काम देकर समूची भाजपा ने अपनी चाल, चरित्र और चेहरे को खुद ही बेनकाब कर लिया है।

यह भी स्पष्ट है कि मौजूदा सरकार न केवल ख्यातिप्राप्त खिलाड़ियों को न केवल रोजगार देने में नाकाम रही है, बल्कि पहले से घोषित नगद ईनामों का वितरण भी अब तक नहीं किया गया है। इसी के चलते दादरी की एक राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी, निर्मला प्रजापति (हरियाणा की महिला कबड्डी की कप्तान) जहां सड़कों पर मिट्टी के बर्तन बेचने पर मजबूर है, वहीं सोनिपत की पॉवर लिफ्टिंग खिलाड़ी संतोष सड़कों पर चाय बेच रही है। यह सारा घटनाक्रम खुद को खिलाड़ी समर्थक कहने वाली राज्य की खट्टर सरकार के लिए डूब कर मरने जैसी स्थिति है।

रैली के दौरान अमित शाह को नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे, जेबीटी शिक्षकों द्वारा काले झंडे दिखाने की घटना को भी गंभीरता से लेने की बजाए राज्य सरकार, प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर धमकी देने में लीन है। काले झंडे दिखाने वालें ये वो 9455 जेबीटी शिक्षक हैं, जो 14 अगस्त, 2014 में चयनित होने के बावजूद अब तक नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। रैली में शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन करने वाले इन शिक्षकों की जायज मांग सुनकर पूरा करने की बजाए उन्हें हिरासत में लेकर उनका उत्पीड़न किया जा रहा है और मुख्यमंत्री खट्टर के एक स्वयंभू करीबी उन्हें धमकी देने पर उतारू हो गए हैं।

पहले सूरत में पाटीदारों और अब जींद में जेबीटी शिक्षकों द्वारा अमित शाह के जबरदस्त विरोध से यह बात साबित हो गई है, कि देश में शाह और मोदी का विरोध निरंतर बढ़

रहा है। **जुमलेबाजी के जरिए सत्ता हथियाने वाले शाह और भाजपा के अच्छे दिन मात्र सवा दो साल के शासन में ही लद गए हैं।** हम मांग करते हैं कि अमित शाह और रैली के आयोजक तत्काल हैंडबॉल खिलाड़ियो और जेबीटी शिक्षकों से बिना शर्त मॉफी मांगें। खिलाड़ियों को रैली में पानी पिलाने का काम देने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही हो और नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे 9455 जेबीटी शिक्षकों को अविलंब नियुक्त्यिां दी जाएं।